श्याम सुधा रस जिसको,
पीना आ जाता है,
सुनो साथियों उसको,
जीना आ जाता है।।

तर्ज सावन का महीना।

जिसकी लगन लगी,
श्याम पिया से,
क्या क्या मिला है पूछो,
उसके जिया से,
सारे जग की खुशियां,
वो तो पा जाता है,
सुनो साथियों उसको,
जीना आ जाता है।

श्याम सूधा रस जिसको,
पीना आ जाता है,
सुनो साथियों उसको,
जीना आ जाता है।।

भर भर के पिए प्याला,
जो भी श्याम नाम का,
उसको सुहाना लागे,
रूप घनश्याम का,

दुनिया का नजारा,
उसको नहीं भाता है,
सुनो साथियों उसको,
जीना आ जाता है।

श्याम सूधा रस जिसको,
पीना आ जाता है,
सुनो साथियों उसको,
जीना आ जाता है।।

चिंतन प्रभु का करता,
रहता मगन है,
श्याम को समर्पित उसका,
सारा ही जीवन है,
हर हालत में देखो,
वो तो मुस्काता है,
सुनो साथियों उसको,
जीना आ जाता है।

श्याम सूधा रस जिसको,
पीना आ जाता है,
सुनो साथियों उसको,
जीना आ जाता है।।

चख के देखो कैसा,
स्वाद है निराला,
रख ले जुबा पे बिन्नू,
हो जा मतवाला,
अपने ही हाथो से,

इसे श्याम पिलाता है,
सुनो साथियों उसको,
जीना आ जाता है।

श्याम सूधा रस जिसको,
पीना आ जाता है,
सुनो साथियों उसको,
जीना आ जाता है।।

Source: https://www.bharattemples.com/shyam-sudha-ras-jisko-pina-aa-jata-hai/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw